MARJ - 03

December - Examination 2015

M.A.(Previous) Rajasthani Examination

Rajasthani Sahitya Ro Itihaas

राजस्थानी साहित्य रौ इतिहास

Paper - MARJ - 03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश :–

1) औ प्रश्न पत्र तीन खंडां अ, ब, स में बट्यौडो है। खंड 'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में निबंधात्मक सवाल दियौड़ा है।

(खण्ड – अ) 8 x 2 = 16

निर्देश : इण खंड रा सगळा सवालां रौ जवाब देवणौ जरूरी है। आपरै उत्तर री सींव 30 सबद है।

1) (i) भासा वैज्ञानिक अपभ्रंश रौ युग कद तांई मानै?

(ii) मारवाड़ी बोली रौ बोलीक्षेत्र बताऔ।

(iii) नागरी लिपि रौ उद्‌भव किण लिपि सूं हुयौ?

(iv) राजस्थानी भासा री जूनी लिपि कुणसी है?

(v) समास री परिभासा अर अरथ उजागर करौ।

(vi) संज्ञा रौ अरथ अर परिभासा समझावौ।

(vii) आदिकाल री रचना 'भरतेश्वर बाहुबलि रास रा रचयिता रौ नाव बताऔ।

(viii) 'बादळी' प्रकृति काव्य रा रचयिता रौ नांव लिखौ।

(खण्ड – ब) 4 x 8 = 32

निर्देश : इण खंड में सूं किणी चार सवालां रा जवाब 200 सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 8 अंक रौ है।

2) वैदिकी अर लौकिक संस्कृत रौ अन्तर स्पष्ट करौ।

3) मुड़िया लिपि रौ सामान्य परिचय उजागर करौ।

4) राजस्थानी भासा री महताऊ बोली 'हाड़ौती' बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

5) 'पिंगल' सैली री सामान्य जाणकारी लिखौ।

6) क्रिया रौ अरथ अर परिभासा बतावतां थकां इणनै उदाहरणां साथै समझावौ।

7) आदिकाल री गद्य रचनावां रौ विगतवार वर्णन करौ।

8) मध्यकालीन राजस्थानी रचनावां अर रचनाकारां री जाणकारी उजागर करौ।

9) आधुनिक राजस्थानी गद्य साहित्य री विसेसतावां रौ खुलासौ करौ।

(खण्ड – स) 2 x 16 = 32

निर्देश : इण खंड में दियौड़ा सवालां में सूं किणी दो सवालां रा पडूत्तर 500 सबदां री सांव में देवणा है। हरेक सवाल 16 अंक रौ है।

10) प्राकृत भासावां माथै विस्तार सूं जाणकारी लिखौ।

11) राजस्थानी भासा रै उद्‌भव अर विकास नै समझावतां थकां राजस्थानी री खास–खास बोलियां अर वांरौ बोलीक्षेत्र स्पष्ट करौ।

12) भारत री खास–खास लिपियां बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

13) आदिकाल री टाळवां रचनावां अर रचनाकारां बाबत विस्तार सूं निबंध लिखौ।

———